ASSOCHAM IN THE NEWS

The Tribune

5 June, 2018

# INDIA TURNING DIGITAL DUMP

**ENVIRONMENT DAY TODAY** Despite Centre's emphasis on Swachh Bharat, India continues to be among the top five countries generating e-waste, an ASSOCHAM-NEC study has said. Other nations topping chart are China, US, Japan and Germany

**20 lakh tonne**
per annum (TPA) e-waste generated in India, of which 438,085 TPA is recycled

**52.2 million**
tonne is expected global volume of e-waste by 2021, up from 44 million tonne in 2016

## MAHA MAJOR CONTRIBUTOR

| State | e-waste generated* | %** | Recycled |
|---|---|---|---|
| Maha | 3,96,000 | 19.8 | 47,810 |
| TN | 2,60,000 | 13 | 52,427 |
| UP | 2,01,999.9 | 10.1 | 86,130 |
| WB | 1,96,000 | 9.8 | – |
| Delhi | 1,90,000 | 9.5 | – |

*(*in tonne per annum; **% of India's 20 lakh tonne)*

## WHAT COMPRISES E-WASTE

Discarded computer monitors, motherboards, cathode ray tubes, printed circuit board, mobile phones and chargers, compact discs, headphones, white goods such as liquid crystal displays and plasma televisions, ACs, refrigerators etc.

## HEALTH HAZARD

Exposure to chemicals emitted during unsafe e-waste recycling leads to damage of nervous system, blood system, kidneys, brain, respiratory and skin disorders, lung cancer, heart, liver, and spleen damage.

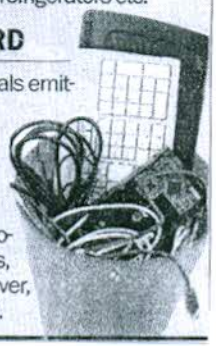

Mail Today

5 June, 2018

# India faces acute e-waste problem

DESPITE the government's emphasis on Swachch Bharat Abhiyaan and the Smart City project, India continues to be among the top five countries generating e-waste, an ASSOCHAM-NEC recent study said on Monday. The other countries topping the chart of e-waste generation are China, the USA, Japan and Germany. The study was published coinciding with the Environment Day (June 5).

In India, Maharashtra contributes the largest e-waste of 19.8% but recycles only about 47,810 TPA (tonnes per annum). Its counterparts Tamil Nadu (13%) recycles about 52,427, Uttar Pradesh (10.1%) recycles about 86,130, West Bengal (9.8%), Delhi (9.5%), Karnataka (8.9%), Gujarat (8.8%) and Madhya Pradesh (7.6%), noted the joint study.

E-waste generated in India is about two million TPA, the quantity that is recycled is about 4,38,085 TPA.

"High and prolonged exposure to these chemicals/pollutants emitted during unsafe e-waste recycling leads to damage of nervous systems, blood systems, kidneys and brain development, respiratory disorders, skin disorders, lung cancer, heart, liver, and spleen damage," the study said.

*India Today TV*

Millennium Post

5 June, 2018

# 'India among top 5 nations in e-waste generation'

**NEW DELHI:** India is among the top five e-waste generating countries in the world besides China, the US, Japan and Germany, according to a report.

Among states, Maharashtra contributes the largest e-waste of 19.8 per cent but recycles only about 47,810 tonne per annum (TPA), the report released by Assocham and NEC on Monday said.

Tamil Nadu with e-waste contribution of 13 per cent recycled about 52,427 TPA; Uttar Pradesh (10.1 per cent) recycles about 86,130 TPA; West Bengal (9.8 per cent), Delhi (9.5 per cent ), Karnataka (8.9 per cent), Gujarat (8.8 per cent) and Madhya Pradesh 7.6 per cent.

**The global volume of e-waste is expected to reach 52.2 MT**

The global volume of e-waste is expected to reach 52.2 million tonne (MT) or 6.8 kg per inhabitant by 2021 from 44.7 MT in 2016 at a compound annual growth rate of 20 per cent. Of the total e-waste produced in 2016, only 20 per cent (8.9 MT) is documented to be collected properly and recycled, while there is no record of the remaining, e-waste. MPOST

ASSOCHAM IN THE NEWS

Mint

5 June, 2018

# India among top five nations in e-waste generation, finds report

**New Delhi:** India is among the top five e-waste generating countries in the world besides China, the US, Japan and Germany, according to a report. Among states, Maharashtra contributes the largest e-waste of 19.8% but recycles only about 47,810 tonne per annum (TPA), the report released by Assocham and NEC on Monday said ahead of the Environment Day on 5 June.

Tamil Nadu with e-waste contribution of 13% recycled about 52,427 TPA; Uttar Pradesh (10.1%) recycles about 86,130 TPA; West Bengal (9.8%), Delhi (9.5%), Karnataka (8.9%), Gujarat (8.8%) and Madhya Pradesh 7.6%. PTI

ASSOCHAM IN THE NEWS

Navbharat Times

5 June, 2018

# ई-कचरा पैदा करने वाले टॉप 5 देशों में भारत

■ आईएएनएस, नई दिल्ली : सरकार द्वारा स्वच्छ भारत अभियान और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट पर जोर दिए जाने के बावजूद भारत ई-कचरा पैदा करने वाले टॉप 5 देशों में बना हुआ है। एसोचैम-नेक द्वारा हाल में कराए गए एक अध्ययन में यह बात सामने आई है। सोमवार को जारी इस स्टडी के अनुसार, ई-कचरा पैदा करने वाले देशों की सूची में चीन, अमेरिका, जापान और जर्मनी जैसे देश शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। यह अध्ययन पर्यावरण दिवस यानी 5 जून के अवसर पर जारी किया गया है। इसमें कहा गया है, 'भारत में महाराष्ट्र ई-कचरा यानी इलेक्ट्रोनिक वेस्ट में सबसे ज्यादा 19.8 पर्सेंट का योगदान करता है और मात्र 47,810 टन सालाना रिसाइकल करता है।

ई-कचरे में आम तौर पर हटाए गए कंप्यूटर मॉनीटर, मदरबोर्ड, कैथोड रे ट्यूब (सीआरटी), प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी), मोबाइल फोन व चार्जर, कॉम्पैक्ट डिस्क, हेडफोन के साथ लिक्विड क्रिस्टल डिस्प्ले (एलसीडी)/ प्लाज्मा टीवी, एयर कंडीशनर, रेफ्रिजरेटर शामिल हैं।

■ वर्ष 2021 तक 5.52 करोड़ टन तक पहुंचने की संभावना

■ चीन टॉप पर, उसके बाद अमेरिका, जापान और जर्मनी का नंबर

## ई-वेस्ट के मामले में टॉप 3 राज्य

| राज्य | कचरा | रिसाइकल (टन सालाना) |
|---|---|---|
| महाराष्ट्र | 19.8% | 47,810 |
| तमिलनाडु | 13% | 52,427 |
| यूपी | 10.1% | 86,130 |

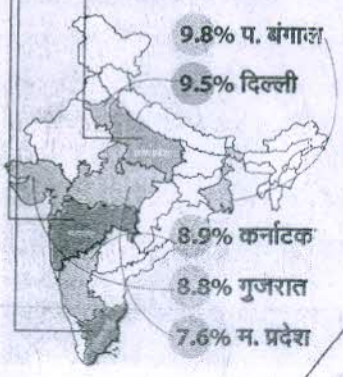

ASSOCHAM IN THE NEWS

Hari Bhoomi

5 June, 2018

# ई-कचरा पैदा करने वाले दुनिया के पांच शीर्ष देशों में भारतः रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दुनिया में सबसे ज्यादा इलेक्ट्रॉनिक कचरा पैदा करने वाले (ई - कचरा) शीर्ष पांच देशों में भारत भी शुमार है। इसके अलावा इस सूची में चीन, अमेरिका, जापान और जर्मनी है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

■ इस सूची में चीन, अमेरिका, जापान और जर्मनी है

पर्यावरण दिवस (5 जून) से पहले एसोचैम और एनईसी द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक भारत में, ई - कचरे में सर्वाधिक योगदान महाराष्ट्र (19.8 प्रतिशत) का है पर वह ऐसे सिर्फ 47,810 टन कचरे को सालाना रीसाइकिल (पुन : प्रयोग के लायक बनाना) करता है।

ई - कचरे में तमिलनाडु का योगदान 13 प्रतिशत है और वह 52,427 टन कचरे को रीसाइकिल करता है। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश (10.1 प्रतिशत) 86,130 टन कचरा रिसाइकिल करता है। देश के ई - कचरे में पश्चिम बंगाल का (9.8 प्रतिशत), दिल्ली (9.5 प्रतिशत), कर्नाटक (8.9 प्रतिशत), गुजरात (8.8 प्रतिशत) और मध्य प्रदेश 7.6 प्रतिशत योगदान है।

अध्ययन के मुताबिक , ई - कचरे की वैश्विक मात्रा 2016 में 4.47 करोड़ टन से बढ़कर 2021 तक 5.52 करोड़ टन तक पहुंचने की संभावना है। 2016 में पैदा हुए कुल ई - कचरे का सिर्फ 20 प्रतिशत (89 लाख टन) ही पूर्ण रूप से एकत्र और रीसाइकिल किया गया है., जबकि शेष ई - कचरे का कोई रिकॉर्ड नहीं है।

ASSOCHAM IN THE NEWS

Aaj Samaj

5 June, 2018

# ई कचरा पैदा करने वाले शीर्ष 5 देशों में भारत

नई दिल्ली। सरकार द्वारा स्वच्छ भारत अभियान और स्मार्ट शहर परियोजना पर जोर दिए जाने के बावजूद भारत ई-कचरा पैदा करने वाले शीर्ष पांच देशों में बना हुआ है। एसोचैम-नेक द्वारा हाल में कराए गए एक अध्ययन में यह बात सामने आई है। सोमवार को जारी इस अध्ययन के अनुसार, ई-कचरा पैदा करने वाले देशों की सूची में चीन, अमेरिका, जापान और जर्मनी जैसे देश शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। यह अध्ययन पर्यावरण दिवस के मौके पर जारी किया गया है। अध्ययन में कहा गया है कि भारत में महाराष्ट्र ई-कचरा में सर्वाधिक 19.8 फीसदी का योगदान करता है और मात्र 47,810 टन सालाना रीसाइकल करता है, जबकि तमिलनाडु 13 फीसदी का योगदान करता है और 52,427 टन रीसाइकल करता है। रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर प्रदेश 10.1 फीसदी का योगदान और 86,130 टन कचरा रिसाइकिल करता है। इसके बाद पश्चिम बंगाल (9.8 प्रतिशत), दिल्ली (9.5 प्रतिशत), कर्नाटक (8.9 प्रतिशत), गुजरात (8.8 प्रतिशत) और मध्य प्रदेश (7.6 प्रतिशत) ई-कचरे में अपना योगदान देते हैं।